

# जीवन में सम्यक ज्ञान जरूरी : आचार्य

आचार्य महाश्रमण के रामचंद्र सोहन सभागार में प्रवचन, सुबह किया गंगाशहर के लिए विहार

भास्कर न्यूज सरदारशहर

आचार्य महाश्रमण ने शनिवार को संस्था के रामचंद्र सोहन सभागार में कहा कि आदमी के जीवन में कुछ अच्छा करने की तमन्ना होनी चाहिए। हमारे जीवन में सम्यक ज्ञान आए। प्रवाह के साथ बहने वाले को सांसारिक और प्रवाह के विपरित बहने वाले को सन्यासी कहते हैं।

प्रवाह को परिभाषित करते हुए महाश्रमण ने कहा कि यह तो ऐश व आराम की जीवन जीवने का नाम है। एक सन्यासी को सांसारिक सुख-सुविधाओं का त्याग करना पड़ता है। भारत भूमि में ज्ञान का खजाना है और इस खजाने को जानने के लिए संस्कृत व पराकृत भाषा का ज्ञान होना जरूरी है। अनुवाद की भाषा को उन्होंने ऊपरी और सतही जानकारी बताते हुए कहा कि संस्कृत व पराकृत के ज्ञान बिना इस खजाने

से साक्षात्कार करना संभव नहीं। गांधी विद्या मंदिर को ज्ञान का अराधना स्थल और नैतिक मूल्यों की प्रतिष्ठा को बढ़ाने वाले संस्था कहते हुए संस्था परिवार को जीवन में सच्चाई, सुचिता और ईमानदारी आने का आशीर्वाद दिया।

आईएएसई विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आरएन शर्मा ने स्वागत उद्बोधन में आचार्य को सादगी, शांति और करुणा का प्रतीक बताते हुए उनके आशीर्वाचनों को जीवन में आत्मसात करने का आह्वान किया। संस्था अध्यक्ष कनकमल दुगड़ ने आभार व्यक्त करते हुए उनके गुरु आचार्य महाप्रज्ञ और संस्थापक स्वामी रामशरण के साक्षात् साधना का स्मरण करवाया। साथ ही साथ वर्ष 1948 से ही आचार्य महाप्रज्ञ द्वारा दुगड़ विश्वविद्यालय में नैतिक मूल्य की शिक्षा की ज्योति के क्रम को महाश्रमण द्वारा आगे बढ़ाने पर आभार व्यक्त किया।



सरदारशहर. सर्वाई छोटी में शनिवार को आयोजित धर्मसभा में उपस्थित श्रावक श्राविकाएं।

शेखावाटी

# व्यक्ति में चेतना का विकास जरूरी: आचार्य महाश्रमण

सरदारशहर, 14 दिसम्बर (कासं)। तेरापंथ धर्मसंघ के आचार्य महाश्रमण ने कहा कि हमारी दुनिया में 84 लाख योनिया बतायी गयी है, जिसमें अनन्य जीव बनाए गए हैं, जो कभी कम नहीं होते हैं। जिनमें सबसे अच्छा प्राणी आदमी है। वे शनिवार को सवाई छोटी में धर्मसभा को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि आदमी ही ऐसा प्राणी है जो साधना कर मौक्ष को प्राप्त कर सकता है। देवता स्वर्ग में रहते हैं लेकिन उनको भी मौक्ष प्राप्त करने के लिए मनुष्य जीवन में आना होगा और साधना कर मौक्ष को प्राप्त करना होगा। केवल ज्ञान मनुष्य ही प्राप्त कर सकता है। विवेक शक्ति की दृष्टि से मनुष्य ही विकास कर रहा है, आदमी इन्द्रियों और उपकरणों के माध्यम से सुक्ष्म से सुक्ष्म देख लेता है।

मनुष्य सबसे श्रेष्ठ प्राणी भी है और सबसे खराब प्राणी भी है। सभा को सुमतिचंद गोठी, संजय दूगड, उर्मिला दूगड ने संबोधित करते हुए सभी संतों एवं उपस्थित श्रावक-श्राविकाओं का आभार व्यक्त किया।

तेरापंथ धर्मसंघ के 11 वें आचार्य महाश्रमण ने शनिवार को संस्था के राममंच सोहन सभागार से अपने आशीर्वचन में कहा कि आदमी के जीवन में कुछ अच्छा करने की तमन्ना होनी चाहिए।

हमारे जीवन में सम्यक ज्ञान आए। प्रवाह के साथ बहने वाले को सांसारिक और प्रवाह के विपरित बहने वाले को सन्यासी कहते हैं। प्रवाह को परिभाषित करते हुए महाश्रमणजी ने कहा कि यह तो ऐश व आराम की जीवन जीवने का नाम है। भारत भूमि में ज्ञान का खजाना है और इस खजाने



सरदारशहर के कुबेर कॉटेज में आचार्य महाश्रमण से वार्ता करते महासभा मुख्य ट्रस्टी कमल दूगड व मूलचंद मालु।  
फोटो:- चन्द्रप्रकाश लाटा

को जानने के लिए संस्कृत व पराकृत भाषा का ज्ञान होना जरूरी है। अनुवाद की भाषा को उन्होंने ऊपरी और सतही

वाले संस्था कहते हुए संस्था परिवार को जीवन में सच्चाई, सुचिता और ईमानदारी आने का आशीर्वाद दिया।

आत्मसात करने का आव्हान किया। संस्थाध्यक्ष कनकमल दूगड ने महाश्रमणजी का आभार व्यक्त करते हुए उनके गुरु आचार्य महाप्रज्ञ और संस्थापक स्वामी रामशरण के साझा साधना का स्मरण करवाया। साथ ही साथ वर्ष 1948 से ही आचार्य महाप्रज्ञ द्वारा दूगड विद्यालय में नैतिक मूल्य की शिक्षा की योति के क्रम को महाश्रमण द्वारा आगे बढ़ाने पर आभार व्यक्त किया।

■ आचार्य के आशीर्वचनों को जीवन में आत्मसात करने का आव्हान किया

■ छात्र-छात्राओं ने स्वामी जी से आशीर्वाद प्राप्त किया

■ भारत भूमि ज्ञान का खजाना : महाश्रमण

जानकारी बताते हुए कहा कि संस्कृत व पराकृत के ज्ञान बिना इस खजाने से साक्षात्कार करना संभव नहीं। गांधी विद्या मंदिर को ज्ञान का अराधना स्थल और नैतिक मूल्यों की प्रतिष्ठा को बढ़ाने

आईएसई विश्वविद्यालय के कुलपति डा. आरएन शर्मा ने स्वागत उद्बोधन में आचार्य को सादगी, शांति और करुणा का प्रतीक बताते हुए उनके आशीर्वचनों को जीवन में

कार्यक्रम के अंत में संस्था परिवार के सभी अधिकारियों व छात्र-छात्राओं ने स्वामी जी से आशीर्वाद प्राप्त किया।